**भारत सरकार**

**संचार मंत्रालय**

**डाक विभाग**

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 4174**

**उत्तर देने की तारीख 26 मार्च, 2025**

**ग्रामीण अर्थव्यवस्था में डाकघरों का योगदान**

**4174. श्रीमती भारती पारधी :**

**श्री श्रीरंग आप्पा चंदू बारणे :**

**क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :**

(क) क्या डाकघर ग्रामीण क्षेत्रों में आवश्यक सेवाएं प्रदान करते हुए और वित्तीय समावेशन करते हुए ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास में योगदान दे सकते हैं और ये शहरी और ग्रामीण असमानता को कम करने में सहायक हो सकते हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं;

(ग) डाकघर ग्रामीण आबादी को बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने में किस प्रकार सहायक हो सकते हैं;

(घ) क्या ई-कॉमर्स के उभरने से विशेषकर दूरस्थ क्षेत्रों में अंतिम छोर तक संपर्क स्थापित करने हेतु डाकघरों का व्यापक नेटवर्क महत्वपूर्ण है; और

(ङ) यदि हां, तो डाकघरों के व्यापक नेटवर्क को ऑनलाइन व्यवसाय से जोड़ने और बाजार में इसकी पहुंच बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

**उत्तर**

**संचार एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री**

**(डॉ. पेम्मासानी चंद्र शेखर)**

(क) जी, हां।

(ख) और (ग) इस संबंध में उठाए गए कदम और तत्संबंधी ब्यौरा निम्नानुसार है :

(i) विभाग, 1.64 लाख डाकघरों के अपने व्यापक नेटवर्क, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित 1.39 लाख डाकघर भी शामिल हैं, के साथ-साथ इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक तथा 2.4 लाख ग्रामीण डाक सेवकों के माध्यम से डिजिटलीकृत डाक, वित्तीय और नागरिक केन्द्रित सेवाएं मुहैया करा रहा है।

(ii) डाकघर, देश के कोने-कोने में दस्तावेजों और पार्सलों की समयबद्ध तथा सुरक्षित डिलिवरी सुनिश्चित करते हैं।

(iii) देश के सभी डाकघर कोर बैंकिंग समाधान पर कार्य कर रहे हैं। ग्राहकों के लिए निम्नलिखित सुविधाएं उपलब्ध हैं :-

(क) इंटरनेट बैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग

(ख) निधियों के अंतरण के लिए राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक निधि अंतरण (एनईएफटी)/ वास्तविक समय सकल निपटान (आरटीजीएस) सेवा

(ग) ब्याज और परिपक्वता (मेच्योरिटी) राशि सीधे बैंक खाते में जमा करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक क्लीयरिंग सर्विस (ईसीएस) की सुविधा

(घ) जमाशेष और मिनी स्टेटमेंट देखने के लिए ई-पासबुक

(ङ) सभी प्रकार के डिजिटल लेन-देनों के लिए इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक - डाकघर बचत खातों को लिंक करने की सुविधा।

(च) प्रत्यक्ष लाभातंरण और आधार नामांकन एवं अद्यतन जैसी नागरिक केंद्रित सेवाएं

(iv) इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक, डिजिटल और कागजरहित बैंकिंग, आधार-आधारित भुगतान प्रणाली (एईपीएस), डीबीटी सुविधा और असिस्टेड डिजिटल सेवाएं प्रदान करता है।

(v) ग्रामीण क्षेत्रों में रह रहे लोगों को किफायती बीमा कवरेज प्रदान करने के लिए ग्रामीण डाक जीवन बीमा (आरपीएलआई) योजना डिजाइन की गई है।

(घ) जी, हां।

(ङ.) डाकघरों के व्यापक नेटवर्क को ऑनलाइन व्यवसाय के साथ जोड़ने और बाजार तक इसकी पहुंच का विस्तार करने के लिए उठाए गए कदम निम्नानुसार हैं :-

i. विभाग, अपनी व्यापक पहुंच के बल पर देशभर में खेपों को प्राप्त करने, उनके पारेषण एवं डिलिवरी के लिए संपूर्ण समाधान उपलब्ध करवा रहा है। इसके अतिरिक्त, बीमा, ट्रैक एंड ट्रेस, डिलिवरी पर भुगतान (कैश-ऑन-डिलिवरी),

एप्लीकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (एपीआई) एकीकरण, प्रबंधन सूचना प्रणाली (एमआईएस) डैशबोर्ड, बुक-नाउ-पे-लेटर सुविधा (बीएनपीएल) आदि जैसी मूल्यवर्धित सेवाएं भी मुहैया कराई जा रही हैं।

ii. टीयर-2 और टीयर-3 शहरों में कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए एक विशिष्ट राष्ट्रीय सड़क परिवहन नेटवर्क स्थापित किया गया है। यह एक महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर संबंधी पहल है, जिसने ई-कॉमर्स के लाभों को शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाना संभव किया है। इस नेटवर्क को आगे राज्य स्तरीय परिवहन रूटों के माध्यम से सुदृढ़ किया गया है।

iii. परिवहन के यंत्रीकृत माध्यमों का प्रयोग कर पार्सलों की विशिष्ट और त्वरित डिलिवरी सुनिश्चित कर लास्ट माइल डिलिवरी को सुदृढ़ बनाने हेतु नोडल डिलिवरी केंद्र (एनडीसी) स्थापित किए गए हैं।

*****